साइबर कैफे एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीसीएओआई)

समाचार पत्र **दिसम्बर 2009**

सीसीएओआई ने आईएसपीएआई के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

सीसीएओआई और इंटरनेट सर्विस प्रोवाइडर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (आईएसपीएआई) ने हाल ही में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। **सीसीएओआई** तथा **आईएसपीएआई** ने सूचना प्रौद्योगिकी और संचार के क्षेत्र में व्यापार और आपसी व्यापार संबंधों के विकास तथा जुड़ाव को प्रोत्साहन देने के प्रयोजन से एक साथ कार्य करने की पुष्टि की है।

सीसीएओआई ने **लूकीज़** के साथ सहयोग किया

स्थानीय भाषाओं को प्रोत्साहन देने के लिए सीसीएओआई ने अनेक भाषाओं में ऑनलाइन तथा ऑफलाइन अनुप्रयोग द्वारा जानकारी को आसानी डालने की क्षमताओं सहित कम्प्यूटर प्रयोक्ताओं को यह सुविधा देने वाले संगठन ''लूकीज़'' के साथ सहयोग किया है जहां 10 भारतीय भाषाओं हिन्दी, बंगाली, तमिल, तेलुगु, मराठी, गुजराती, कन्नड़, मलयालम, पंजाबी, उर्दू, असमी और उड़िया में एक पूर्वानुमानित वर्चुअल कीबोर्ड के इस्तेमाल से यह कार्य किया जाता है।

दूरसंचार तथा इंटरनेट उद्योग ने मंत्री महोदय से मुलाकात की

दूर संचार और इंटरनेट उद्योग जगत के लोगों ने माननीय संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री ए राजा के साथ मुलाकात की। शिष्ट मंडल ने भारत के इंटरनेट प्रयोक्ताओं की अपेक्षाओं के बारे में बताया। माननीय मंत्री महोदय को इंटरनेट के बृहत भेदन में साइबर कैफे की महत्वपूर्ण भूमिका से भी परिचित कराया गया। बैठक के दौरान मंत्री महोदय ने भारत में ब्रॉड बैंड तथा इंटरनेट की स्थिति पर अपनी चिंता व्यक्त की।

आईसीएएनएन ने आईडीएन सीसीटीएलडी फास्ट ट्रेक प्रक्रम की शुरूआत की

इंटरनेट कॉर्पोरेशन फॉर एसाइंड नेम्स एण्ड नंबर्स (आईसीएएनएन) ने आईडीएन सीसीटीएलडी फास्ट ट्रेक प्रक्रम आरंभ किया है ताकि देशों को गैर लेटिन भाषाओं के उपयोग की सुविधा दी जा सके। इसने प्रमुख डोमेन के साथ भी अपना अनुरोध दर्ज कराया है कि वे क्षेत्रीय भाषाओं की लिपि में उनके देश का नाम प्रदर्शित करें।

सीसीटीएलडी फास्ट ट्रेक प्रक्रिया देशों को गैर लेटिन अक्षरों में प्रयोक्ता डोमेन नेम इस्तेमाल करने की क्षमता प्रदान करेगी। अब डोमेन नेम के लिए अंग्रेजी के अक्षर होना अनिवार्य नहीं होगा। इसका अर्थ है

कि यह भारत जैसे देश के लिए एक वरदान होगा, जहां अधिकांश लोग क्षेत्रीय भाषाओं के जरिए संचार करते हैं और उन्हें अपनी क्षेत्रीय भाषाओं में इंटरनेट सर्फिंग करना अधिक सहज प्रतीत होता है। आईसीएएनएन द्वारा भारत की 7 क्षेत्रीय भाषाओं को पहले ही अनुमोदित किया जा चुका है - हिन्दी, उर्दू, बंगाली, तमिल, तेलुगु, पंजाबी और गुजराती।

सीसीएओआई ने **जीएनएसओ** में साइबर कैफे के लिए एक अलग निर्वाचन क्षेत्र के लिए आवेदन की प्रक्रिया शुरू की

सीसीएओआई ने आईसीएएनएन के जीएनएसओ में एक अलग निर्वाचन क्षेत्र के रूप में साइबर कैफे के प्रतिनिधित्व की जरूरत महसूस की है और इसकी प्रक्रिया शुरू की है। साइबर कैफे भारत जैसे विकासशील देशों में उल्लेखनीय भूमिका निभाते हैं और यही कारण है कि इस पारिस्थितिकी प्रणाली के विकास के लिए साइबर कैफे का प्रतिनिधित्व अनिवार्य है। इन देशों में साइबर कैफे जनसमूह के लिए इंटरनेट सेवा प्रदाताओं के रूप में कार्य करते हैं। भारत में 101 मिलियन इंटरनेट प्रयोक्ता हैं और इनमें से लगभग 37 प्रतिशत लोगों की पहुंच 180,000 साइबर कैफे के माध्यम से इंटरनेट तक होती है। हजारों इंटरनेट प्रयोक्ता इस माध्यम से इंटरनेट तक पहुंचते हैं इसलिए इस विशिष्ट प्रयोक्ता समूह को नजर अंदाज नहीं किया जाना चाहिए।

कॉपीराइट © 2009

साइबर कैफे एसोसिएशन ऑफ इंडिया
सी – 427बी, सुशांत लोक, फेज़ 1, गुडगांव – 122002.
हमारा ऑनलाइन सम्पर्क : www.ccaoi.in
किसी सुझाव या टिप्पणी के लिए संपर्क करें : info@ccaoi.in